उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम

375 - सैन्य इतिहास

पुस्तक-1

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार की एक स्वायत्त संस्था
ए-24/25, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62, नोएडा-201309
वेबसाइट् - www.nios.ac.in | टोल फ्री नंबर : 18001809393

© राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान National Institute of Open Schooling

प्रथम संस्करण 2021 First Edition 2021 (Copies)

ISBN (Book 1)

ISBN (Book 2)

सचिव, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, ए-24-25, संस्थागत क्षेत्र, सेक्टर- 62 नोएडा - 201 309 (उत्तर प्रदेश) द्वारा प्रकाशित। ..... द्वारा मुद्रित।

सलाहकार समिति

प्रो. सी.बी. शर्मा
अध्यक्ष, NIOS, नोएडा, (उ.प्र.)

डॉ. राजीव कुमार सिंह, निदेशक (शिक्षा)
NIOS, नोएडा, (उ.प्र.)

पाठ्यक्रम समिति

मेजर जनरल जी. मुरली (रिटायर्ड)
ले. कर्नल राजा पिल्लाई

डॉ. उत्तम कुमार जमाधागनी
एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
डिफेंस एंड स्ट्रेटिजिक स्टडीज़, मद्रास विश्वविद्यालय

डॉ. ई. प्रभाकरण
सहायक प्रोफेसर, डिफेंस एंड स्ट्रेटिजिक स्टडीज़
मद्रास विश्वविद्यालय

डॉ. एम. वेंकटरमन
सहायक प्रोफेसर, डिफेंस एण्ड स्ट्रेटिजिक स्टडीज़
मद्रास विश्वविद्यालय

पाठ लेखक

मेजर जनरल जी. मुरली (रिटायर्ड)

ले. कर्नल राजा पिल्लाई

डॉ. उत्तम कुमार जमाधागनी
एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
डिफेंस एण्ड स्ट्रेटिजिक स्टडीज़, मद्रास विश्वविद्यालय

डॉ. ई. प्रभाकरण
सहायक प्रोफेसर
डिफेंस एंड स्ट्रेटिजिक स्टडीज़
मद्रास विश्वविद्यालय

डॉ. एम. वेंकटरमन
सहायक प्रोफेसर
डिफेंस एंड स्ट्रेटिजिक स्टडीज़
मद्रास विश्वविद्यालय

श्री आर. विगनेश
विशेषज्ञ, सैन्य इतिहास, मद्रास विश्वविद्यालय

डॉ. ओ. निर्मला
डिफेंस एंड स्ट्रेटिजिक स्टडीज़, मद्रास विश्वविद्यालय

अनुवादक और संपादक मंडल

डॉ. प्रेम तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर, दयाल सिंह कॉलेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय (दिल्ली)

डॉ. अंशुमन ऋषि
शिक्षक
कुलाची, हंसराज स्कूल (दिल्ली)

श्री शवाहत हुसैन
टी.जी.टी. डॉ. जाकिर हुसैन मैमोरियल
सीनियर सैकेंडरी, जाफराबाद दिल्ली

श्री एम.एल. साहनी
सेवानिवृत्त लैक्चरार,
शिक्षा निदेशालय, दिल्ली

डॉ. नेहा सिंह
व्याख्याता
ज्ञानदान ग्लोबल स्कूल, अलवर

पाठ्यक्रम समन्वयक

डॉ. संध्या कुमार
उपनिदेशक (शैक्षिक)
NIOS, नोएडा (यू.पी.)

डॉ. अज़मत नूरी
सहायक निदेशक (शैक्षिक)
NIOS, नोएडा (यू.पी.)

श्री विवेक सिंह
SEO (शैक्षिक)
NIOS, नोएडा (यू.पी.)

चित्रांकन और टाइप सेटिंग

मल्टी ग्राफिक्स, करोल बाग, दिल्ली

आप से दो बातें...

यह परियोजना भारतीय सेना के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है ताकि आप भारतीय सेना में काम करते हुए अपनी शैक्षणिक योग्यता को बढ़ा सकें। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आपकी गहन जानकारी, कौशल, प्रवृति एवं मूल्यों को विकसित करने योग्य बनाना है ताकि अधिगम अधिक प्रभावशाली हो सके। इसका उद्देश्य आपको अपने कार्य में अधिक विश्वास पूर्व बनाना और सेवा काल के बाद रोज़गार के लिए सक्षम बनाना भी है। NEPIA परियोजना के अंतर्गत आपके लिए विशेष रूप से तीन पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं। सैन्य अध्ययन और शारीरिक शिक्षा एवं योग। अन्य दो विषय आप NIOS द्वारा अध्ययन हेतु उपलब्ध कराए गए विषयों से ले सकते हैं।

सैन्य इतिहास इन्हीं तीन विषयों में से एक है। NEPIA के अंतर्गत यह पाठ्यक्रम मानव इतिहास में हुए सैन्य संघर्षों और समाज पर पड़े उनके प्रभाव का अध्ययन करता है। सैन्य इतिहास के मुख्य विषय हैं- युद्ध के कारण, नेतृत्व, तकनीक, युद्ध-नीति और रणनीति का प्रयोग कैसे होता था और समय के साथ इनमें क्या परिवर्तन हुए।

यह पाठ्यक्रम दो भागों में विभाजित है। इसके अंतर्गत 6 खंड और 22 पाठ हैं। पहला खंड 'प्राचीन भारत का सैन्य इतिहास' है। यह खंड प्राचीन भारत की युद्ध प्रणाली की गुप्त साम्राज्य तक चर्चा करता है। द्वितीय खंड 'मध्यकालीन भारत का सैन्य इतिहास' है। यह खंड दिल्ली सल्तनत से मुगल काल तक की भारतीय सैन्य प्रणाली को प्रदर्शित करता है। खंड तीन 'औपनिवेशिक युग का सैन्य इतिहास' है। यह औपनिवेशिक काल के दौरान आए सैन्य परिवर्तनों की चर्चा करता है। खंड चार का शीर्षक 'वर्तमान सैन्य बल' है। इसके अंतर्गत स्वतंत्रता पश्चात् आए परिवर्तनों के साथ नवीन संस्थाओं की स्थापना पर चर्चा है। खंड पांच 'स्वतंत्रता पश्चात् प्रमुख युद्ध' में स्वतंत्रता के बाद भारतीय सेना द्वारा किए गए युद्धों का वर्णन है। अंतिम खंड 'राजद्रोह और आतंकवाद' है। यह खंड भारत में आतंकवाद और विद्रोह की चुनौती पर चर्चा करता है।

स्व अधिगम सामग्री आपको याद करने हेतु प्रेरित करने के लिए आसान और सरल भाषा में बनायी गयी है। प्रत्येक पाठ में आपकी प्रगति का आंकलन करने के लिए पाठगत प्रश्न और पाठांत प्रश्नों को रखा गया है। मानचित्र और चित्रों के सहयोग से सभी जानकारी स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है।

हम यह मानते हैं कि आप इस अधिगम सामग्री को पसंद करेंगे। हम आपके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ देते हैं। इस अधिगम सामग्री को परिष्कृत करने हेतु आपके सुझाव आमंत्रित हैं।

शुभकामनाओं सहित!

अध्यक्ष

NIOS

अपने पाठ कैसे पढ़ें!

हार्दिक बधाई! आपने स्वाध्यायी होने की चुनौती को स्वीकार किया है। NIOS हर कदम पर आपके साथ है और हमने इस पाठ्यक्रम को विशेषज्ञों की सहायता से आपको ध्यान में रखकर तैयार किया है। स्वतंत्र अधि गम के प्रारूप का अनुसरण किया गया है। यदि आप निर्देशों का पालन करेंगे तो आपको इसका अधिकतम लाभ होगा। प्रासंगिक संकेत आपका संदर्शन करेंगे। आपकी सुविधा के लिए नीचे प्रयुक्त संकेतों को स्पष्ट किया गया है।

पाठ का शीर्षक : इसे पढ़ते ही आप अनुमान लगा सकते हैं कि पाठ में क्या दिया जा रहा है। इसे अवश्य पढ़िए।

भूमिका : यह भाग आपको पिछले पाठ की जानकारी से जोड़कर पाठ की सामग्री का परिचय कराएगा।

उद्देश्य : आपने पाठ पढ़कर क्या सीखा। इन्हें अवश्य पढ़िए।

पाठगत प्रश्न : प्रत्येक खंड के अंत में अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। पाठ के अंत में इनके उत्तर दिए गए हैं। इनसे आप अपनी प्रगति को जाँच सकते हैं। इनको सफलता पूर्वक करने से आपको आगे बढ़ने या पुनः याद करने के लिए प्रेरित करेगा।

आपने क्या सीखा : यह पूरे पाठ का संक्षिप्त रूप है– यह आपको पुनः याद करने के लिए सहायक होगा। आप इसमें अपनी बातें भी जोड़ सकते हैं।

पाठांत प्रश्न : पाठ के अंत में दिए गए लघु उत्तरीय तथा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। इनका आप अलग पृष्ठों पर लिखकर अभ्यास कीजिए। यदि चाहें तो अध्ययन केंद्र पर अपने शिक्षक या किसी भी उचित व्यक्ति को दिखाकर उन पर उनके विचार ले सकते हैं।

उत्तरमाला : आपको पहले ही बताया जा चुका है इसमें पाठगत प्रश्नों और क्रियाकलापों के उत्तर दिए जाते हैं। अपने उत्तरों की जाँच इनसे कीजिए।

सैन्य इतिहास
अधिगम सामग्री की रूपरेखा

माड्यूल	पाठ संख्या	पाठ का नाम	मूल्यांकन माध्यम टीएमए/पीई	
माड्यूल-1 :	1	प्राचीन भारत में योद्धा प्रणाली		पीई
प्राचीन भारत का	2	प्राचीन काल में सेवाएँ		पीई
सैन्य इतिहास	3	*सैन्य प्रकृति*	*टीएमए*	
	4	मौर्य और गुप्त काल की सेनाएं		पीई
माड्यूल-2 :	5	दिल्ली सल्तनत की स्थापना		पीई
मध्यकालीन भारत	6	मुगलकाल की सैन्य प्रणाली		पीई
का सैन्य इतिहास	7	*मुगल सेना के युद्ध*	*टीएमए*	
	8	*मुगल साम्राज्य का उत्थान व पतन*	*टीएमए*	
माड्यूल-3 :	9	*औपनिवेशिक युग में भारतीय सिपाहियों की भूमिका*	*टीएमए*	
औपनिवेशिक युग	10	*औपनिवेशिक युग के प्रमुख युद्ध*	*टीएमए*	
का सैन्य इतिहास	11	1857 का विद्रोह और भारतीय सेना में हुए सुधार		पीई
	12	विश्वयुद्ध (प्रथम तथा द्वितीय) में भारतीय सेना		पीई
माड्यूल-4 :	13	भारतीय सेना		पीई
वर्तमान सैन्य बल	14	भारतीय नौसेना		पीई
	15	भारतीय वायुसेना		पीई
माड्यूल-5 :	16	*भारत पाकिस्तान युद्ध (1947-1948)*	*टीएमए*	
स्वतंत्रता पश्चात्	17	भारत चीन युद्ध (1962)		पीई
के प्रमुख युद्ध	18	भारत पाकिस्तान युद्ध (1965)		पीई
	19	भारत पाकिस्तान युद्ध (1971)		पीई
	20	कारगिल संघर्ष (1999)		पीई
माड्यूल-6 :	21	राजद्रोह		पीई
आतंकवाद और राजद्रोह	22	आतंकवाद		पीई

कुल पाठ : **22**

सार्वजनिक परीक्षा के लिए पाठ (पीई) : **16**

शिक्षक अंकित मूल्यांकन पत्र के लिए पाठ (टीएमए) : **6**

नोट : इस अधिगम सामग्री में इंटरनेट व वेबसाइट्स से ली गयी अध्ययन सामग्री और चित्र केवल शैक्षिक उद्देश्य के लिए हैं। इनका प्रयोग किसी भी व्यावसायिक उद्देश्य के लिए नहीं हुआ है।

अनुक्रम

			मूल्यांकन माध्यम (टीएमए/पीई)	पृष्ठ संख्या
माड्यूल-1	:	**प्राचीन भारत का सैन्य इतिहास**		
पाठ-1	:	प्राचीन भारत में योद्धा प्रणाली	पीई	1-8
पाठ-2	:	प्राचीन काल में सेनाएँ	पीई	9-16
पाठ-3	:	सैन्य प्रकृति	टीएमए	17-20
पाठ-4	:	मौर्य और गुप्त सेनाएं	पीई	21-28
माड्यूल-2	:	**मध्यकालीन भारत का सैन्य इतिहास**		
पाठ-5	:	दिल्ली सल्तनत की स्थापना	पीई	29-38
पाठ-6	:	मुगलकाल की सैन्य शक्ति	पीई	39-46
पाठ-7	:	मुगलसेना के युद्ध	टीएमए	47-54
पाठ-8	:	मुगल साम्राज्य का उत्थान व पतन	टीएमए	55-62
माड्यूल-3	:	**औपनिवेशिक युग का सैन्य इतिहास**		
पाठ-9	:	औपनिवेशिक युग में भारतीय सिपाहियों की भूमिका	टीएमए	63-74
पाठ-10	:	औपनिवेशिक युग के प्रमुख युद्ध	टीएमए	75-78
पाठ-11	:	1857 का विद्रोह और भारतीय सेना में हुए सुधार	पीई	79-82
पाठ-12	:	विश्वयुद्ध (प्रथम तथा द्वितीय) में भारतीय सेना	पीई	83-94